चल भोले के द्वार | By Lakhbir Singh Lakkha

चले शिव जी के द्वार ठिकाना पायेगा
रत्नो का भण्डार खज़ाना पायेगा
खुशियों का उपहार मनमाना पायेगा
चल भोले के द्वार.....

मत फिरना बेकार जगत में माया के जंजालो में
बीत रहे हैं दिन व्यर्थ तुम्हारे पल पल क्षण क्षण सालो में
अरे नर तन क्या हर बार दीवाना पायेगा
चल शिव जी के द्वार.....

करले सुमिरन प्रेम लगन से शिव शंकर वरदानी का
नाम ज़रा तू जपले मन से भोले औघड़दानी का
मुक्ति का तू द्वार मस्ताना पायेगा
चल भोले के द्वार.....

ठोकर खाते हैं दुनिया में वो ही मूरख प्राणी हैं
शिव चरणों को छोड़ के शर्मा करते जो मनमानी है
उनको ये संसार समझा न पायेगा
चल भोले के द्वार.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9a%e0%a4%b2-%e0%a4%ad%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%a6%e0%a5%8d%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%b0-by-lakhbir-singh-lakkha/